INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 5.71 (SJIF 2021)

महिला सशक्तीकरण: जुंझुंनू जिले के विशेष संदर्भ में

(Women Empowerment: With Special Reference to Junjhunu District)

उमा शंकर
सहायक आचार्य (भूगोल)
स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय, खेतड़ी
(झुंझुनूं), राजस्थान
E-mail:umashankardhinwa@gmail.com

ममता यादव
सहायक आचार्य (भूगोल)
स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय, खेतड़ी
(झुंझुनूं), राजस्थान
E-mail: my191291@gmail.com

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/01.2022-47146893/IRJHIS2201009

सारांश :

महिला सशक्तीकरण वर्तमान समय का चर्चित विषय है। महिला सशक्तीकरण के बिना सशक्त राष्ट्र की कल्पना असंभव है। महिलाओं का सशक्तीकरण तभी संभव है जब महिलाएं स्वयं शारीरिक, मानसिक रूप से किसी भी कार्य को करने में सक्षम हो। समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाएं विकास प्रक्रिया का अभिन्न अंग है जिनके विकास के बिना सशक्त समाज कोरी कल्पना है।

'लोगों को जगाने के लिए महिलाओं का जाग्रत होना जरूरी है।' – पं. जवाहरलाल नेहरू

मुख्य शब्द *: सशक्तीकरण, झुंझुनूं, लिंगानुपात, महिला, नवाचार*

परिचय :

राजस्थान वीरों एवं वीरांगनाओं की भूमि है जहां का कण–कण इनकी यशगाथा का साक्षी है। प्रदेश का झुंझुनूं जिला महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। शेखावाटी के केंद्र बिंदु कहे जाने वाले इस जिले ने नारी सशक्तीकरण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। जिले की महिलाएं सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सैन्य, शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासनिक इत्यादि प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी है एवं महत्वपूर्ण पदों पर आसीन है। इसके अतिरिक्त डेयरी, बागवानी, पशुपालन, सिंचाई आदि कार्यो के माध्यम से समाज में अपनी पहचान स्थापित करने के साथ–साथ परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूती प्रदान कर रही है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। महिलाएं खेत–खलिहान से लेकर खेलकूद, ज्ञान–विज्ञान सहित सभी क्षेत्रों में सक्रिय होकर अपने नाम का परचम लहरा रही है एवं महिला सशक्तीकरण को सही अर्थों में अभिव्यक्ति प्रदान कर रही हैं। जिले की अनेकों महिलाएं शिक्षिका, चिकित्साकर्मी एवं प्रशासक के रूप में संपूर्ण प्रदेश में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं तथा जिले का नाम रोशन कर रही हैं। आर.ए.एस. परीक्षा 2018 में झुंझुनूं जिले की मुक्ता राव ने टॉप कर साबित कर दिया कि जिले की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में

पुरूषों से पीछे नहीं है। जिले की स्वाति शर्मा ने विश्व व्यापार संगठन में लीगल ऑफिसर के पद पर नियुक्त होकर जिले को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

जिले ने महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में कई अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं जिनमें बेटी के जन्म पर छूछक कार्यक्रम का आयोजन, लड़कियों की शादी पर घोड़ी पर बैठाकर बिन्दौरी निकालना, लंच विद लाडली, नारी चौपाल, बेटी का दशोठन, बालिका सम्मान उद्यान, चिकित्सा विभाग द्वारा महाशपय कार्यक्रम का आयोजन, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान का बेहतर क्रियान्वयन प्रमुख है। महिला सशक्तीकरण हेतु जिले को राष्ट्रीय पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है।

राज्य विधानसभा चुनाव–2018 के दौरान जिले में प्रथम बार 4000 महिला कर्मियों को चुनाव कार्य में लगाया गया, जो महिला सशक्तीकरण का अनुपम उदाहरण है। जिले में महिला शक्ति केन्द्र की स्थापना भी सार्थक पहल है जो महिला हितार्थ बेहतर कार्य कर रहा है।

झुंझुनूं जिले में महिला साक्षरताः–

महिला शिक्षा के संदर्भ में गांधीजी का प्रसिद्ध कथन है, 'अगर पुरूष शिक्षित होता है तो वह केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए शिक्षित होता है लेकिन यदि महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित माना जाता है।' उक्त कथन के आलोक में झुंझुनूं जिले ने महिला साक्षरता के संदर्भ में उल्लेखनीय प्रगति की है। संपूर्ण प्रदेश की महिला साक्षरता 52.1 प्रतिशत की तुलना में जिला 60.95 प्रतिशत के साथ प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। जिले में अनेक महिला महाविद्यालय एवं बालिका विद्यालय है जो नारी शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान रखते हैं।

लिंगानुपातः–

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिले का लिंगानुपात 950 है जो राज्य के लिंगानुपात (926) से अधिक है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे–5 (2019–2021) की रिपोर्ट के अनुसार जिले का लिंगानुपात 950 से बढ़कर 1063 एवं बाल लिंगानुपात 837 से बढ़कर 946 हो गया है जो कि जिले के लिए उत्साहजनक एवं शुभ संकेत है।

व्यवसायिक संरचनाः–

जनगणना 2011 के अनुसार जिले की कुल महिला जनसंख्या 10,41,149 में से 3,53,257 महिलाएं विभिन्न कार्यों में कार्यरत है जो कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हैः–

तालिकाः 1

Female Workers and Non-Workers

Sr. No.	Category	Number	Percentage
1	Total Female Workers	3,53,257	33.93
	A: Main Female Workers	1,48,702	14.28
	B: Marginal Female Workers	2,04,555	19.65
2	Non-Workers	6,87,892	66.07

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2011, राजस्थान

तालिका : 2

Category of Female Workers (Main & Marginal)

Sr. No.	Category	Number	Percentage
1	Cultivators	2,69,097	76.18
2	Agricultural Labourers	27,592	7.81
3	Workers in household industry	4,043	1.14
4	Other Workers	52,525	14.87
	Total	3,53,257	100.00

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2011, राजस्थान

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि कुल महिला श्रमिकों में से 76.18 प्रतिशत महिलाएं काश्तकार, 7.81 प्रतिशत खेतीहर मजदूर, 1.14 प्रतिशत पारिवारिक उद्योगकर्मी तथा 14.87 प्रतिशत अन्य कार्यों में संलग्न है।

राजनीतिक सशक्तीकरणः–

राजनीति में महिलाओं की अहम् भूमिका है। जिले की ग्यारह पंचायत समितियों में सात पंचायत समितियों में महिला प्रधान है जो यहां की महिलाओं के राजनीतिक क्षेत्र में सशक्तीकरण का सूचक है।

तालिका : 3

क्र.सं.	पंचायत समिति	प्रधान
1.	झुंझुनूं	पुष्पा चाहर
2.	चिड़ावा	इन्द्रा डूडी
3.	उदयपुरवाटी	माया गुर्जर
4.	खेतड़ी	मनीषा गुर्जर
5.	सिंघाना	सोनू कुमारी
6.	पिलानी	बिरमा देवी
7.	मंडावा	शारदा

स्त्रोतः bhaskar.com

वर्तमान में जिला प्रमुख के पद को हर्षिनी कुल्हरी सुशोभित कर रही है। जिला प्रमुख के रूप में चुनी गई वो तीसरी महिला है। सोलहवीं लोकसभा में श्रीमती संतोष अहलावत ने लोकसभा सांसद के रूप में जिले का प्रतिनिधित्व कर महिलाओं का मान बढ़ाया, क्योंकि वे जिले की प्रथम महिला सांसद चुनी गई थी। राजस्थान विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष के रूप में श्रीमती सुमित्रा सिंह ने जिले को विशेष पहचान दिलाई। वह नौ बार महिला विधायक चुनी जाने वाली राजस्थान की एकमात्र महिला विधायक है। राजस्थान की प्रथम महिला मंत्री कमला बेनीवाल भी जिले के गोरीर गांव से संबंधित हैं जो यशोदा देवी के बाद विधानसभा में पहुंचने वाली राजस्थान की दूसरी महिला है। वे वर्ष 2009 से 2014 के बीच विभिन्न राज्यों की राज्यपाल रही। सुश्री रीटा

चौधरी मंडावा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। इनके अतिरिक्त जिले की अनेक महिलाएं पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य तथा जिला परिषद सदस्य हैं।

तालिका : 4

झुंझुनूं जिले की प्रमुख प्रसिद्ध महिलाएं

क्र.सं.	महिला का नाम	क्षेत्र	विशेष विवरण
1.	सुमित्रा सिंह	राजनीति	प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष
2.	कमला बेनीवाल	राजनीति	राजस्थान की प्रथम महिला मंत्री
3.	संतोष अहलावत	राजनीति	जिले की प्रथम महिला सांसद
4.	सुप्रिया चौधरी	सैन्य	राज्य की प्रथम महिला जो प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट नियुक्त हुई।
5.	ले. किरण शेखावत	सैन्य	देश की प्रथम महिला शहीद
6.	प्रिया शर्मा	सैन्य	राजस्थान की तीसरी महिला फाइटर पायलट
7.	मोहना सिंह	सैन्य	भारतीय वायुसेना की प्रथम तीन महिला फाइटर पायलट में से एक
8.	निवेदिता चौधरी	सैन्य	भारतीय वायुसेना की प्रथम महिला अधिकारी जिसने मार्च 2011 में माउंट एवरेस्ट फतेह किया।
9.	इशरत अहमद	सैन्य	जिले की प्रथम मुस्लिम महिला जो ले. कर्नल बनी
10.	रूकशार खान	सैन्य	पहली तटरक्षक अधिकारी
11.	पारूल शेखावत	विमानन	राजस्थान की प्रथम महिला कॉमर्शियल पायलट
12.	आशा झाझड़िया	चिकित्सा	माउंट एवरेस्ट फतेह करने वाली राजस्थान की प्रथम सिविलियन बेटी
13.	मीना सोनी	रेल परिवहन	प्रदेश की प्रथम महिला मेट्रो चालक
14.	सपना राव	खेल	एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली जिले की प्रथम महिला एथलीट
15.	बबीता मीणा	खेल	राज. महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रह चुकी महिला क्रिकेट खिलाड़ी
16.	निशा गुर्जर	खेल	राष्ट्रीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी, बीसीसीआई के टीम चयन पैनल में भी शामिल
17.	मुक्ता राव	प्रशासनिक	जिले की प्रथम महिला जिसने आर.ए.एस. परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
18.	स्वाति शर्मा	कानून	विश्व व्यापार संगठन में लीगल ऑफिसर

स्त्रोतः विभिन्न समाचार पत्र

जिले में महिला सशक्तीकरण हेतु नवाचारः–

1. **लाडो सम्मान वाटिकाः–**

   सरकारी विद्यालयों की ऐसी छात्राएं जो बोर्ड परीक्षाओं में टॉप करेंगी, उनके सम्मान में लाडो सम्मान वाटिका का शुभारंभ किया गया है।

2. **मैत्री कार्यक्रमः–**

   महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने एवं उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु जिला पुलिस प्रशासन द्वारा महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से इस कार्यक्रम को आरंभ किया गया, जिसे राजस्थान पुलिस ने 'आवाज' कार्यक्रम के नाम से संपूर्ण प्रदेश में चलाया।

3. **अमृता कन्या वाटिकाः–**

   महिला पुलिसकर्मियों को सम्मान देने हेतु झुंझुनूं पुलिस लाइन परिसर में 500 से अधिक फलदार पौधे लगाकर अमृता कन्या वाटिका का शुभारंभ किया गया, ताकि महिलाओं में पोषण संबंधी कमियों को दूर किया जा सके।

4. **सशक्त नारी अभियानः–**

   झुंझुनूं पुलिस द्वारा महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु चलाया गया अभियान।

5. अमृता फाउण्डेशन सोसाइटीः–

   22 मई 2014 को गठित सोसाइटी जिसके द्वारा महिलाओं को लोन प्रदान किया जाता है, सिलाई प्रशिक्षण दिया जाता है तथा सोसाइटी सेनेटरी नैपकिन निर्माण इकाई भी चलाती है।

6. **लाडो सम्मान निधि की स्थापना।**

निष्कर्षः–

झुंझुनूं जिले की महिलाओं ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने क्रियाकलापों द्वारा विशेष ख्याति अर्जित की है। निःसंदेह भविष्य में झुंझुनूं जिला महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में नव कीर्तिमान स्थापित करने के साथ भारत के अग्रणी जिलों में शामिल हो जायेगा।

संदर्भ सूचीः–

1. जिला जनगणना प्रतिवेदन, वर्ष 2011, जिला झुंझुनूं
2. जनगणना प्रतिवेदन (2011) राजस्थान
3. जिला सांख्यिकी रूपरेखा (2016), जिला झुंझुनूं
4. विभिन्न समाचार पत्र–पत्रिकाएं
5. Amarujala.com
6. bhaskar.com/Raj-JHUN
7. hindi.news18.com
8. hmoob.in/wiki/Kamla-Beniwal
9. Jhalkoindia.com
10. National Family Health Survey-5, 2019-21
11. www.patrika.com
12. univarta.com